# ONE DAY WORKSHOP REPORT SUMMARY ON MOOC, SWAYAM AND OPEN EDUCATIONAL RESOURCES (OER)

The event held on February 13, 2025, highlighted the latest developments and initiatives in the realm of Massive Open Online Courses (MOOCs), Open Educational Resources (OER), and India's flagship online education platform, **SWAYAM**. The event brought together education experts, policymakers, and digital education to discuss the current landscape, challenges, and future opportunities of online learning.

#### **Key Points Discussed:**

#### 1. SWAYAM Platform:

- SWAYAM continues to serve as India's premier online education platform, offering free courses across various fields such as engineering, humanities, science, and more.
- o On February 13, 2025, new courses were announced, with an emphasis on expanding accessibility to quality education across the country.
- The integration of SWAYAM with other digital education tools, such as the National Programme on Technology Enhanced Learning (NPTEL), provides comprehensive learning opportunities.

### 2. MOOCs and Digital Learning:

- o MOOCs were discussed as a key driver for expanding access to higher education and skill-building, especially for learners in remote or underserved areas.
- Several leading institutions across India and the world have adopted the MOOC model, offering online certifications that cater to a wide range of professional and academic needs.

### 3. Open Educational Resources (OER):

- OER were emphasized as a vital element of the digital education ecosystem. Free and open resources, such as textbooks, videos, and interactive modules, enable a collaborative and accessible learning environment.
- The session also highlighted efforts to improve the quality and availability of OER content, with institutions encouraged to contribute and update resources regularly.

### 4. Collaborations and Future Directions:

- Collaboration between government bodies, educational institutions, and tech
  companies is critical to ensuring the sustained growth of online education
  platforms.
- Moving forward, there is a push to further integrate AI and data analytics in MOOC platforms to enhance personalization and the learning experience for individual users.

हरकत का इटकर मुकाबला करने के संबंध में जागरूक कर रही हैं। एस.एच.ओ. रेखा ने बताया कि हमने

छात्राओं को अपने मोबाइल नंबर भी दिए हैं, अगर उन्हें कोई परेशानी आती है या कोई

घर पहुंचाने के लिए हरियाणा पुलिस क्षाय द्विप मानीटरिंग सिस्टम शुरू किया गया है। छात्राएं व महिलाएं देर रात सुरक्षित

सफर करने के लिए 112 डायल कर पुलिस की सहायता ले सकती हैं।

की पढ़ाई के दौरान 1000 रुपए प्रतिमाह यानी ए प्रतिवर्ष हो जाती है।

इस मौके पर संजीव कुमार, प्रवीण कुमार, संदीप, कमलेश देखें, शीला रानी, ट्रिवेकल खटकड़, मेवा सिंह व अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

बातिकाओं को बताया कि मासिक धर्म के समय साफ-सफाई का ध्यान रखने की ज्यादा जरूरत होती हैं। यह एक ऐसा विषय हैं, जिस पर आज भी स्लम क्षेत्रीं

नैपकिन वितरित किए गए। कार्यक्रम में रोवर समित, दोपक, सभाष चंद, रोहित, विकास, साजिद वसिलाई केंद्र की अध्यापिका सतबीर कीर का

# वास उर

# एन.आई.आई.एल.एम. विश्वविद्यालय में मूक कोर्सिज एवं स्वयं पोर्टल पर एकदिवसीय <mark>वर्कशॉप</mark> आयोजित

ल. आई. आई. एल. एम.

विश्वविद्यालय कैथल में मुक कॉर्स एवं स्वयं पोर्टल पर एकदिवसीय वर्कसीय का आयोजन किया गया।

इसमें मुख्य बक्ता के रूप में डॉ. बशपाल शर्मा, साइंटिस्ट राजेंद्र मैमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ मैंडीकल माहंमेज परना ने शिरकत स्टाफ को मुक्त कोर्स एवं स्वयं पोर्टल के बारे में अपनी प्रस्तुति देते पेशेवर अपनी स्किल बढ़ाने के



वर्कशांप में हिस्सा लेते हुए स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी।

हुए बताया कि मूक कोर्सिज भारत में तेजी से पॉपुलर हो रहे हैं।

लिए मूक कोसिंज को तेजी से अपना रहे हैं। क्री ऑनलाइन मूक कोसिंज की बढ़ती लोकप्रियता को देखते

पहले स्वयं नाम का एक स्वदेशी एजुकेशनल प्लेटफॉर्म लॉन्ब किया, जिस पर डेरों मुक कॉसिंज उपलब्ध हैं। स्थयं की फुल फॉर्म है स्टडो वेब्स ऑफ एक्टिव लर्निंग फॉर बंग इंस्पायरिंग माईड्स है। आज 2,000 से भी ज्यादा

आज 2,000 से भा ज्यादा विभिन्न विषयों से जुड़े मूक कोर्स स्वयं पोर्टल पर उपलब्ध हैं। वर्कशॉप में मंच संचालन डॉ. कमल गर्ग ने किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्री. डॉ. शमीम अहमद ने डॉ. यशपाल शर्मा को सम्मानित करते हुए शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया और चर्कशांप के आयोजन के लिए आयोजक टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं र्सी। इस मौके पर विश्वविद्यालय

कुल सचिव डॉ. राजीव दहिया, डॉनएकैडमिक प्रो. आर.के. गुप्ता, डीन रिसर्च डॉ. विनय पवार डायरेक्टर सी.पी.डी. डॉ. संतीप अधिकारी डॉ. मनोज कुमार, डॉ. मुकेश राणा व अन्य उपस्थित रहे।

रेडकॉस 341 504 कोठी

इन्हें स

## **स् – डोक् – 7795**

Ī	4 8	8	6	2				आहे. खहे च 3×3 वर्ग में 1 से 9 तक
		6			8	5		अंक इस प्रकार भरें। विक्रमी भी अंक व प्रवस्तवित नहीं। प्रदेश
	3		4	7			9	

## कैडेट अभिनव ने गणतंत्र दिवस कैंप-२०२५ में भाग लेकर बढाया गौरव

कैथल, 13 फरवरी (महीपाल/ विद्यालय के कैडेंट अभिनव ने राष्ट्रीय केडेट कोर के प्रतिस्तित गणतंत्र देवस किंप 2025 में भाग लेकर अपने



सांस्कृतिक कार्यक्रम में

बताया कि कैडेंट अधिनव ने अपने समर्पण, अनुशासन और कड़ी मेहनत के बल पर इस गौरवशाली अवसर उनकी उपलब्धि की को प्राप्त किया है। उनकी यह सराहना की गई। कैडेट उपलब्धि हमें यह सिखाती है कि

### एनआईआईएलएम विश्वविद्यालय में मूक कॉर्स एवं स्वयं पोर्टल पर हुआ एक दिवसीय वर्क शॉप का आयोजन



### आज समाज नेटवर्क

आई आई एल एम कैथल। एन विश्वविद्यालय कैथल में मुक कॉर्स एवं स्वयं पोर्टल पर एक दिवसीय वर्क शॉप का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ यशपाल शर्मा , साइंटिस्ट राजेंद्र मेमोरियल रिसर्च इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज इंस्टिट्यूट मैं शिरकत की वर्कशॉप में पटना उपस्थित स्टाफ को मुक कोर्सेज एवं स्वयं पोर्टल के बारे में अपनी प्रस्तुति देते हुए बताया कि मूक कोर्सेज (टडडउ) भारत में तेजी से पॉपुलर हो रहे हैं।

भारतीय छात्र और कामकाजी पेशेवर अपनी स्किल बढाने के लिए टडडउ कोर्सेज को तेजी से अपना रहे हैं। फ्री ऑनलाइन मुक कोर्सेज की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए भारत सरकार ने कुछेक साल पहले स्वयं (रहुअ अट) नाम का एक स्वदेशी एजुकेशनल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया जिस पर ढेरों मुक कोर्सेज (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स) उपलब्ध हैं। स्वयं रहअ अट की फुल फॉर्म है स्टडी वेब्स ऑफ एक्टिव लर्निंग फॉर यंग एस्पायरिंग माइंड्स। कम से कम खर्च में ज्यादा से ज्यादा लोगों तक अच्छी इस मकसद से शिक्षा पहुंच सके, इसकी शुरूआत की गई। आज स्वयं प्लेटफॉर्म पर कक्षा 9वीं से 12वीं, युजी और पीजी लेवल के सैंकड़ों नॉन इंजीनियरिंग स्ट्रीम के मूक कोर्सेज उपलब्ध हैं। स्वयं प्लेटफर्म को मानव विकास मंत्रालय और अक्डळए (अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद) ने माइक्रोसॉफ्ट की मदद से मिलकर विकसित किया है। आज 2,000 से भी ज्यादा विभिन्न विषयों से जुड़े मूक कोर्स स्वयं पोर्टल पर उपलब्ध हैं। इसे एक दूसरे वर्क शॉप में मंच संचालन डॉक्टर कमल गर्ग ने किया ।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय (डॉ) शमीम कुलपति प्रोफेसर अहमद अहमद ने डॉ .यशपाल शर्मा को सम्मानित करते हुए शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया और वर्कशॉप के आयोजन के लिए आयोजित टीम को बधाई एवं अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुल सचिव डॉक्टर राजीव दहिया, डीन एकैडमीकस प्रोफेसर आरके डीन रिसर्च डॉक्टर विनय गुप्ता, पवार, डायरेक्टर सी पी डी डॉ संदीप विश्वविद्यालय जनसंपर्क सिहाग. अधिकारी डॉक्टर मनोज कुमार ,डॉ मुकेश राणा, डॉक्टर सुरेंद्र कल्याण, डॉक्टर महेंद्र मुंडे, डॉ रेनू बाला, डॉक्टर रिचा मोर, डॉ अमृता सोनी, डॉ कमलप्रीत, डॉ उषा रानी,डॉ रविंद्र पांडे, डॉ रवि, डॉक्टर इसाक, डॉक्टर पॉपीन कुमार डॉ बलविंदर सिंह,डॉ नरेंद्र कुमार डॉक्टर, अमरजीत मोर आदि सभी प्राध्यापकगण विशेष रूप से उपस्थित रहे।

### **Conclusion:**

The event underscored the importance of digital education platforms like SWAYAM, MOOCs, and OER in shaping the future of learning in India and beyond. These initiatives are crucial to fostering inclusive, flexible, and lifelong learning opportunities that empower learners globally. As India continues to expand its online education initiatives, especially through SWAYAM, it is clear that MOOCs and OER are poised to play a central role in shaping the future of learning and skill development in the country and beyond.





